



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 833]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 28, 2004/आश्विन 6, 1926

No. 833]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 28, 2004/ASVINA 6, 1926

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28-सितम्बर, 2004

का. आ. 1058(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 (2004 का 23) की धारा 96 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, 1 अक्टूबर, 2004 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिसको उक्त अधिनियम का अध्याय 7 प्रवृत्त होगा।

[अधिसूचना सं. 247/2004/फा. सं. 142/23/2004-टीपीएल]

शरत चन्द्र, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2004

S.O. 1058(E).—In exercise of the power conferred by sub-section (2) of Section 96 of the Finance (No. 2) Act, 2004 (23 of 2004), the Central Government hereby appoints the 1st October, 2004 as the date on which Chapter VII of the said Act shall come into force.

[Notification No. 247/2004/F. No. 142/23/2004 -TPL]

SHARAT CHANDRA, Director

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2004

प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004

सं. आ. 1059(अ) — केन्द्रीय सरकार, वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 (2004 का 23) की धारा 114 की उपधारा (2) के साथ पठित उसकी उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रतिभूति संव्यवहार कर से संबंधित उक्त अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ ।

1.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004 है ।

(2) ये 1 अक्टूबर, 2004 को प्रवृत्त होंगे ।

परिभाषाएं ।

2.(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “अधिनियम” से वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 (2004 का 23) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत बैंक” से ऐसा कोई बैंक अभिप्रेत है जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने अभिकर्ता के रूप में नियुक्त किया जाए ।

(ग) “प्ररूप” से इन नियमों के परिशिष्ट में वर्णित प्ररूप अभिप्रेत है ।

(2) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 या आयकर अधिनियम, 1961 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उन अधिनियमों में है ।

कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का मूल्य ।

3. अधिनियम की धारा 99 के खंड (ग) के प्रयोजनों के लिए, कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का मूल्य, जो किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया गया किसी कंपनी में किसी साधारण शेयर का अथवा साधारण शेयरोन्मुख निधि की यूनिट का क्रय या विक्रय है, निम्नलिखित रीति से अवधारित किया जाएगा, अर्थात् :-

(क) जहां साधारण शेयर या यूनिट का, किसी व्यक्ति द्वारा किसी व्यापार के दिन शुद्ध निपटारे के दंग से क्रय या विक्रय किया जाता है, -

(i) प्रत्येक ऐसे व्यापार का व्यापार मूल्य अवधारित करने के लिए उस दिन किसी व्यक्ति द्वारा निष्पादित उस साधारण शेयर या यूनिट में प्रत्येक व्यापार में क्रय किए गए या विक्रय किए गए साधारण शेयरों या यूनिटों में उस कीमत से गुणा किया जाएगा जिसपर व्यापार निष्पादित किया गया है ;

(ii) उस दिन उस व्यक्ति द्वारा साधारण शेयर या यूनिट में किए गए सभी व्यापारों का कुल व्यापार मूल्य उपखंड (i) के अधीन अवधारित व्यापार मूल्यों का योग करके निकाला जाएगा ;

(iii) उस व्यक्ति के लिए उस दिन उस साधारण शेयर या यूनिट की मात्रा पर आधारित औसत कीमत का अवधारण करने के लिए, उपखंड (ii) के अधीन निकाला गया कुल व्यापार मूल्य उस व्यक्ति द्वारा उस दिन व्यापार किए गए साधारण शेयर या यूनिट की कुल मात्रा द्वारा विभाजित किया जाएगा ;

(iv) ऐसी मात्रा आधारित औसत कीमत (निकटतम पैसे तक पूर्णांकित किया गया) साधारण शेयर या यूनिट से संबंधित कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का मूल्य मानी जाएगी ।

स्पष्टीकरण - इस खंड के प्रयोजनों के लिए ऐसे मामले में जहां साधारण शेयर या यूनिट का स्टॉक एक्सचेंज के किसी सदस्य के माध्यम से क्रय किया जाता है या विक्रय किया जाता है, कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार के मूल्य का अवधारण उस सदस्य के माध्यम से किसी विशिष्ट ग्राहक कोड के अधीन साधारण शेयर या यूनिट में निष्पादित व्यापारों के प्रतिसंदर्भ से किया जाएगा ;

(ख) जहां साधारण शेयर या यूनिट का क्रय या विक्रय किसी व्यक्ति द्वारा व्यापार के लिए व्यापार निपटारे के ढंग में किया जाता है वहां कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का मूल्य वह कीमत होगी जिसपर साधारण शेयर या यूनिट का क्रय या विक्रय किया जाता है ;

(ग) जहां साधारण शेयर या यूनिट का क्रय नीलामी द्वारा निपटान के ढंग से किया जाता है वहां कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का मूल्य नीलामी सत्र में किए गए उस साधारण शेयर या यूनिट में सभी व्यापारों की बाबत खंड (क) में विनिर्दिष्ट रीति से अवधारित साधारण शेयर या यूनिट की मात्रा आधारित औसत कीमत होगी ;

(घ) जहां साधारण शेयर या यूनिट का विक्रय नीलामी द्वारा निपटान के ढंग से किया जाता है वहां कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का मूल्य वह कीमत होगी जिसपर साधारण शेयर या यूनिट का विक्रय किया जाता है ।

स्पष्टीकरण - इस नियम के प्रयोजनों के लिए,-

(i) “ शुद्ध निपटान का ढंग” से मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में संव्यवहारों के निपटान का ऐसा ढंग अभिप्रेत है जिसमें किसी व्यापार के दिन किसी व्यक्ति द्वारा क्रय किए गए किसी साधारण शेयर या यूनिट की मात्रा उस दिन उस व्यक्ति द्वारा विक्रय किए गए उस साधारण शेयर या यूनिट की मात्रा के बदले मुजरा की जाती है और उसके द्वारा केवल क्रय की गई या विक्रय की गई शुद्ध मात्रा की बाबत, यथास्थिति, परिदान किया जाना या लिया जाना अपेक्षित है ;

(ii) “ व्यापार के लिए व्यापार के निपटान का ढंग” से किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में संव्यवहारों के निपटान का ऐसा ढंग अभिप्रेत है जहां प्रत्येक व्यापार का अनिवार्य रूप से वास्तविक परिदान द्वारा निपटाया जाना अपेक्षित है ;

(iii) “ नीलामी द्वारा निपटान का ढंग” से किसी स्टॉक एक्सचेंज में ऐसे नीलामी सत्र में किए गए संव्यवहारों के निपटान का ढंग अभिप्रेत है जो ऐसा व्यापार सत्र है जिसमें स्टॉक एक्सचेंज साधारण शेयरों या यूनिटों का क्रय उसके द्वारा आरंभ की गई किसी नीलामी की प्रक्रिया के माध्यम से करता है जिससे वहां संव्यवहारों का निपटान किया जा सके जहां ऐसे साधारण शेयरों या यूनिटों का जिनका परिदान किया जाना अपेक्षित था, परिदान करने में असफलता हुई है ।

कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार के मूल्य, प्रतिभूति संव्यवहार कर, आदि का पूर्णांकित किया जाना ।

4. अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों के अधीन कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार के मूल्य और प्रतिभूति संव्यवहार कर की रकम, संदेय ब्याज और शास्ति तथा शोध्य प्रतिदाय की रकम को निकटतम रूप में पूर्णांकित किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए जहां ऐसी रकम में रूप का ऐसा भाग है जिसमें पैसे भी हों, जहां ऐसा भाग पचास पैसे या उससे अधिक है वहां उसे बढ़ाकर एक रुपया कर दिया जाएगा और यदि ऐसा भाग पचास पैसे से कम है तो उसे छोड़ दिया जाएगा ।

पारस्परिक निधि के मामले में प्रतिभूति संव्यवहार कर के संग्रहण और संदाय के लिए उत्तरदायी व्यक्ति ।

5. पारस्परिक निधि के मामले में, अधिनियम की धारा 100 की उपधारा (2), उपधारा (3) और उपधारा (4) के अनुसार प्रतिभूति संव्यवहार कर के संग्रहण और संदाय के लिए उत्तरदायी व्यक्ति निधि का न्यासी होगा या उस न्यासी द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत ऐसा अन्य व्यक्ति होगा जो पारस्परिक निधि के क्रियाकलापों का प्रबंध कर रहा हो ।

प्रतिभूति संव्यवहार कर का संदाय ।

6. प्रत्येक मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज या, यथास्थिति, प्रत्येक पारस्परिक निधि का न्यासी या उस न्यासी द्वारा इस निमित्त सम्यक् रूप से प्राधिकृत ऐसा अन्य व्यक्ति जो पारस्परिक निधि के क्रियाकलापों का प्रबंध कर रहा हो, जिससे धारा 100 के अधीन प्रतिभूति संव्यवहार कर का संग्रहण और संदाय करना अपेक्षित है, ऐसे कर की रकम का केन्द्रीय सरकार के खाते में, भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या किसी प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा में प्रतिभूति संग्रहण कर चालान के साथ उसे प्रेषित करके, संदाय करेगा ।

कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों की विवरणी

7.(1) अधिनियम की धारा 101 की उपधारा (1) के अधीन दिए जाने के लिए अपेक्षित कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों की विवरणी,-

(क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की दशा में, प्ररूप सं० 1 में होगी और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित की जाएगी ;

(ख) पारस्परिक निधि की दशा में, प्ररूप सं० 2 में होगी और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित की जाएगी ।

(2) उपधारा (1) में वर्णित प्ररूप सं० 1 और प्ररूप सं० 2 की अनुसूचियों में दी जाने के लिए अपेक्षित विशिष्टियां कंप्यूटर के माध्यम से निम्नलिखित के अनुसार दी जाएंगी,-

(क) कंप्यूटर माध्यम निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा :-

(i) 650एमबी क्षमता या उच्चतर क्षमता की सीडी रोम ; या

(ii) 4एमएम 2जीबी/4जीबी(90एम/120एम) डीएटी कार्टिज, या

(iii) डिजिटल वीडियो डिस्क ;

(ख) यदि अनुसूचियों से संबंधित डाटा की डाटा कंप्रेसन या बैकअप साफ्टवेयर यूटीलिटी का उपयोग करते हुए प्रति तैयार की जाती है तो उसके डिक्ंप्रेसन या रेस्टोरेसन के लिए तत्सुची साफ्टवेयर यूटीलिटी या प्रक्रिया भी दी जाएगी ;

(ग) विवरणी के साथ साफ और वायरसमुक्त डाटा के संबंध में एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा ।

(3) पारस्परिक निधि की दशा में उपधारा (1) में निर्दिष्ट विवरणी निधि के न्यासी द्वारा या उस न्यासी द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत ऐसे अन्य व्यक्ति द्वारा दी जाएगी जो पारस्परिक निधि के क्रिया कलापों का प्रबंध कर रहा हो ।

(4) किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार की विवरणी उस वित्तीय वर्ष के ठीक बाद की 30 जून को या उससे पूर्व दी जाएगी ।

विवरणी पर किसके द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

8. अधिनियम की धारा 101 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी -

(क) मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज की दशा में,-

(i) जो एक कंपनी है, उसके प्रबंध निदेशक या किसी निदेशक द्वारा ;

(ii) किसी अन्य दशा में, उसके मुख्य अधिकारी द्वारा ।

(ख) पारस्परिक निधि की दशा में, न्यासी द्वारा या उस न्यासी द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत ऐसे अन्य व्यक्ति द्वारा जो पारस्परिक निधि के क्रियाकलापों का प्रबंध कर रहा हो ।
कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार की विवरणी की मांग करने वाली सूचना में विनिर्दिष्ट की जाने वाली समय सीमा ।

9. जहां निर्धारिती अधिनियम की धारा 101 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी नियम 7 के उपनियम (4) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर देने में असफल रहता है वहां निर्धारण अधिकारी ऐसे व्यक्ति को एक सूचना जारी कर सकेगा जिसमें ऐसे व्यक्ति से उसे लागू नियम 7 में विहित प्ररूप में विवरणी जो उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित की जाएगी, सूचना की तामील की तारीख से तीस दिन के भीतर देने की अपेक्षा की जाएगी ।

मांग की सूचना ।

10. जहां अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों के अधीन पारित किसी आदेश के परिणामस्वरूप कोई कर, ब्याज या शास्ति संदेय है वहां निर्धारण अधिकारी निर्धारिती पर प्ररूप सं० 3 में इस प्रकार संदेय राशि को विनिर्दिष्ट करते हुए मांग की सूचना की तामील करेगा ।

उस व्यक्ति को, जिससे ऐसी रकम संगृहीत की गई थी, कर के प्रतिदाय के लिए विहित समय ।

11. प्रत्येक निर्धारिती, यदि अधिनियम की धारा 102 की उपधारा (2) के अधीन निर्धारण पर उसे कोई रकम प्रतिदाय की जाती है, ऐसी रकम की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर, उस संबद्ध व्यक्ति को उसका प्रतिदाय करेगा जिससे उसका संग्रहण किया गया था ।

आयकर आयुक्त (अपील) को अपील का प्ररूप ।

12.(1) आयकर आयुक्त (अपील) को धारा 110 की उपधारा (1) के अधीन अपील प्ररूप सं० 4 में की जाएगी ।

(2) किसी निर्धारिती के संबंध में, उपनियम (1) द्वारा विहित अपील के प्ररूप, अपील के आधारों और उससे संलग्न सत्यापन के प्ररूप पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और सत्यापित किया जाएगा जो निर्धारिती को लागू नियम 8 के अधीन कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों की विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है ।

अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप ।

13. अधिनियम की धारा 111 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन अपील अधिकरण को अपील प्रारूप सं० 5 में की जाएगी और जहां अपील निर्धारिती द्वारा की जाती है वहां अपील के प्रारूप, अपील के आधारों और उस प्रारूप से संलग्न सत्यापन के प्रारूप पर नियम 8 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

[अधिसूचना सं. 248/2004/फ़. सं. 142/23/2004-टीपीएल]

शरत चन्द्र, निदेशक

उपाबंध

प्ररूप सं० 1

[प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004 के नियम 7 देखें]
कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों की विवरण

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के लिए

एसटीटीएस - 1

मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के लिए

■ कृपया अनुदेशों का पालन करें
केवल स्पष्ट अक्षरों का उपयोग करें ।

पावती
केवल कार्यालय उपयोग के
लिए

प्राप्ति सं.
तारीख

प्राप्तकर्ता अधिकारी की मुहर
और हस्ताक्षर

1. स्टॉक एक्सचेंज का नाम

[illegible]

2. स्टॉक एक्सचेंज का पता

[illegible]

3. स्थायी लेखा संख्या (पी एं एन)

[illegible]

4. वित्तीय वर्ष (उन संव्यवहारों से संबंधित, जिनके लिए रिपोर्ट किया गया है)

				-		
--	--	--	--	---	--	--

5. यार्ड/सर्किल/रेंज

--	--	--	--	--	--	--	--

6. कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों का मूल्य

कोड (अनुसूची)
01. (क[7])

मूल्य (रुपए में)

[illegible]

02. (क[8])

[illegible]

03. (क[9])

[illegible]

04. (ख[8])

[illegible]

(अ[9])

[illegible][illegible]

कुल संगृहणीय प्रतिभूति संख्यवहार कर

(अनुसूची)

(क[10])

रकम (रुपए में)

[illegible]

(क[11])

[illegible]

(क[12])

[illegible]

(ख[10])

[illegible]

(ख[11])

[illegible]

कुल

[illegible]

(अनुसूची)

8. कुल संगृहीत प्रतिभूति संव्यवहार कर (ग[5])

[illegible]

9. कुल संदत्त प्रतिभूति संव्यवहार कर (ग[6])

[illegible]

10. प्रतिभूति संव्यवहार कर संदेय/प्रतिदेय (7-9)

[illegible]

11. धारा 104 के अधीन संदेय ब्याज (ग[7])

[illegible]

12. संदत्त व्याज (ग[8])

[illegible]

सत्यापन

मैं.....(पूरा नाम स्पष्ट अक्षरों में) पुत्र/पुत्री श्री.....सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस विवरणी में दी गई जानकारी और इससे संलग्न अनुसूची मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से सही और पूर्ण है और कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार का कुल मूल्य और उसमें दर्शित अन्य विशिष्टियाँ सत्यता से कथित की गई हैं और वित्त (सं.2), अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 के उपबंधों और प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004 के अनुसार हैं।

मैं यह और घोषणा करता हूँ किके रूप में इस विवरण को भरा है और मैं इस विवरणी को भरने और सत्यापित करने के लिए भी सक्षम हूँ।

तारीख _____

स्थान _____

(नाम और हस्ताक्षर)

कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार की बाबत कोड

क्र.सं.	संव्यवहार की प्रकृति	कोड
1.	<p>किसी साधारण शेयरोंन्मुख निधि की किसी कंपनी में या किसी यूनिट में किसी साधारण शेयर का क्रय जहां :-</p> <p>(क) ऐसे क्रय का संव्यवहार किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है, और</p> <p>(ख) ऐसे शेयर या यूनिट के क्रय के लिए संविदा का वास्तविक परिदान या ऐसे शेयर या यूनिट के अंतरण द्वारा निपटारा किया जाता है।</p>	01
2.	<p>किसी साधारण शेयरोंन्मुख निधि की किसी कंपनी में या किसी यूनिट में किसी साधारण शेयर का विक्रय जहां :-</p> <p>(क) ऐसे विक्रय का संव्यवहार किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है ; और</p> <p>(ख) ऐसे शेयर या यूनिट के विक्रय के लिए संविदा का वास्तविक परिदान या ऐसे शेयर या यूनिट के अंतरण द्वारा निपटारा किया जाता है।</p>	02
3.	<p>किसी साधारण शेयरोंन्मुख निधि का किसी कंपनी या किसी यूनिट में किसी साधारण शेयर का विक्रय जहां :-</p> <p>(क) ऐसे विक्रय का संव्यवहार किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है, और</p> <p>(ख) ऐसे शेयर या यूनिट के विक्रय के लिए संविदा का वास्तविक परिदान या ऐसे शेयर या यूनिट के अंतरण से भिन्न रूप में निपटारा किया जाता है।</p>	03
4.	<p>“प्रतिभूति विकल्प” के होते हुए किसी व्युत्पन्न का विक्रय जहां ऐसे विक्रय का संव्यवहार किसी मान्यताप्राप्त एक्सचेंज में किया जाता है</p>	04
5.	<p>“वायदे के सौदे” के होते हुए किसी व्युत्पन्न का विक्रय, जहां ऐसे विक्रय का संव्यवहार किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में किया जाता है।</p>	05

अनुसूची-क क्र०सं०	स्टाक दलाल कोड	व्यापार करने वाले ग्राहक का कोड	ग्राहक का नाम	ग्राहक का स्थायी लेखा संख्यांक	ग्राहक का मापिन	कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों का मूल्य (रुपयों में)			संग्रहणीय प्रतिभूति संव्यवहार कर (रुपयों में)		
						कोड 01	कोड 02	कोड 03	कोड 01	कोड 02	कोड 03
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
कुल											

अनुसूची-ख

क्र०सं०	समाशोधन सदस्य का कोड	स्टाक दलाल कोड	व्यापार करने वाले ग्राहक का कोड	ग्राहक का नाम	ग्राहक का स्थायी लेखा संख्यांक	ग्राहक का मापिन	कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों का मूल्य (रुपयों में)		संग्रहणीय योग्य प्रतिभूति संव्यवहार कर (रुपयों में)	
							कोड 4	कोड 5	कोड 4	कोड 5
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
कुल										

अनुसूची-ग

मास	कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार कोड	मास के दौरान कराधेय प्रतिभूति संव्यवहार कोड	संग्रहणीय योग्य प्रतिभूति संव्यवहार कर (रुपयों में)	संगृहीत प्रतिभूति संव्यवहार कर (रुपयों में)	संदत प्रतिभूति संव्यवहार कर (रुपयों में)	धारा 104 के अधीन संदेय ब्याज (रुपयों में)	धारा 104 के अधीन संदत ब्याज (रुपयों में)	प्रतिभूति संव्यवहार कर/ धारा 104 के अधीन ब्याज के संदाय की विशिष्टियां					रकम (रुपयों में)
								कर/ब्याज (रुपयों में)	बैंक का नाम	बैंक शाखा का बीएसआर कोड	जमा की तारीख	चासना का क्रम सं०	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
योग													

टिप्पण :

1. यह प्ररूप केवल किसी मान्यता प्राप्त स्टाक एक्सचेंज द्वारा ही उपयोग में लाया जाएगा ।
2. अनुसूची क, ख और ग में अपेक्षित ब्यारे नियम 7 में विनिर्दिष्ट कंप्यूटर के माध्यम से दिए जा सकेंगे ।
3. अनुसूची क और ख में अपेक्षित ब्यारे यथास्थिति प्रत्येक स्टाक दलाल कोड और समाशोधन सदस्य कोड के लिए पृथक् रूप से दिए जा सकेंगे । ग्राहक का नाम, ग्राहक का स्थायी लेखा संख्यांक और मापिन जो उपलब्ध हों दिए जाएं ।
4. अनुसूची क में व्यापार करने वाले ग्राहक के कोड के ब्यारे स्टाक एक्सचेंज द्वारा ऐसे स्टाक एक्सचेंजों की ओर से जो निपटान में शेयर या यूनिट को प्रदत्त करने में असफल रहे हैं, नीलामी सत्र के दौरान क्रय व्यवहारों के संबंध में देना आवश्यक नहीं होगा ।
5. अनुसूची ग में अपेक्षित ब्यारे प्रत्येक प्रकार के संव्यवहार के लिए (कोड 01 से 05) प्रत्येक मास के लिए अलग-अलग दिए जाएंगे और प्रत्येक मास के लिए उप जोड़ भी दिए जाएंगे।

टिप्पणी -

1. इस प्ररूप का उपयोग केवल पारस्परिक निधि द्वारा किया जाएगा।
2. नियम 7 में यथाविनिर्दिष्ट अनुसूची क, ख, ग, में अपेक्षित ब्यौरे कम्प्यूटर माध्यम से फाइल किए जा सकेंगे।
3. अनुसूची ख में अपेक्षित ब्यौरे पारस्परिक निधि द्वारा स्थापित प्रत्येक साधारण शेयरोन्मुख निधि के लिए अलग-अलग दिया जाएगा और प्रत्येक निधि का उप योग भी दिया जाएगा।
4. अनुसूची ग में अपेक्षित ब्यौरे पारस्परिक निधि द्वारा स्थापित प्रत्येक साधारण शेयरोन्मुख निधि के लिए प्रत्येक मास के लिए पृथक रूप से दिया जाए और प्रत्येक मास का उप योग भी दिया जाए।

प्ररूप सं. 3

[प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004 का नियम 10 देखें]

मांग की सूचना

एसटीटीएस-3

प्रास्थिति

स्थायी लेखा सं.

सेवा में

.....

.....

.....

1. आपको सूचित किया जाता है निर्धारण वर्षके लिए आपके द्वारा संदाय किए जाने के लिएरूपए की राशि, जिसके ब्यौरे पीछे दिए गए हैं, अवधारित की गई है।

2. इस रकम का संदाय, इस सूचना की तामील की तारीख से 30..... दिन के भीतर.....स्थित किसी प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक को किया जाना चाहिए। उपर्युक्त राशि के संदाय के लिए तीस दिन से कम की अवधि अनुज्ञात करने के लिए आयकर अपर आयुक्त/आयकर संयुक्त आयुक्त का पूर्व अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। संदाय के प्रयोजनों के लिए एक चालान संलग्न है।

3. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर के अन्दर रकम का संदाय नहीं करते हैं तो आप वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 की धारा 109 के साथ पठित आयकर अधिनियम की धारा 220(2) के अनुसार पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् आरम्भ होने वाली तारीख से प्रति मास या मास के भाग के लिए एक प्रतिशत की दर से साधारण ब्याज का संदाय करने के दायी होंगे।

4. यदि आप कर की रकम का संदाय ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नहीं करते हैं तो वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 की धारा 109 के साथ पठित आयकर अधिनियम की धारा 221 के अनुसार व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिए जाने के पश्चात् आप पर शास्ति (जो बकाया कर की रकम के बराबर हो सकेगी) अधिरोपित की जा सकेगी।

5. यदि आप रकम का संदाय ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नहीं करते हैं तो वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 की धारा 109 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 222, धारा 227, धारा 229 और धारा 232 के अनुसार उसकी वसूली के लिए कार्यवाहियां की जाएंगी।

6. यदि आप निर्धारण या शास्ति के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की धारा 110 के अधीन एक अपील, इस सूचना की प्राप्ति के तीस दिन के भीतर नियम 12 में यथाविहित प्ररूप संख्या 4 में, जो उस प्ररूप में अधिकथित किए गए अनुसार सम्यक रूप से स्थापित और सत्यापित होगी, आयकर आयुक्त (अपील)..... को प्रस्तुत कर सकेंगे।

7. यह रकम वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की धारा 110 के अधीन आयकर आयुक्त (अपील) के आदेश के परिणामस्वरूप शोध्य हुई है। यदि आप पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप उक्त अधिनियम के अध्याय 7 की धारा 111 के अधीन एक अपील, इस आदेश की प्राप्ति के सात दिन के भीतर नियम 13 में यथाविहित प्ररूप संख्या 5 में, जो उस प्ररूप में अधिकथित किए गए अनुसार सम्यक रूप से स्थापित और सत्यापित होगी, आयकर अपील अधिकरण जो प्रस्तुत कर सकेंगे।

स्थान :

तारीख :

निर्धारण अधिकारी

पता

टिप्पण :

1. अनुपयुक्त पैराओं और शब्दों को काट दीजिए।
2. यदि आप रकम का संदाय बैंक द्वारा करना चाहते हैं तो बैंक किसी प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के प्रबंधक के पक्ष में लिखा जाना चाहिए।
3. यदि आप रकम के संदाय के लिए समय के विस्तार की मांग करना चाहते हैं या किस्तों में संदाय करने का प्रस्ताव करते हैं तो, यथास्थिति, ऐसे समय विस्तार या किस्तों में संदाय करने की अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए आवेदन पैरा 2 में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व निर्धारण अधिकारी को किया जाना चाहिए। उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त किसी अनुरोध पर आयकर अधिनियम की धारा 220(3) के विनिर्दिष्ट उपबंधों को ध्यान में रखते हुए विचार नहीं किया जाएगा।

प्ररूप सं. 4

एसटीटीएस-4

[प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004 का नियम 12 देखें]

आयकर आयुक्त (अपील) को अपील

आयुक्त (अपील) का पदनाम

*वर्ष 20 - 20..... का संख्यांक

1.	अपीलार्थी का नाम और पता	
2.	स्थायी लेखा संख्यांक	
3.	वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है	
4.	उस आदेश को पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी, जिसके विरुद्ध अपील की गई है	
5.	वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने ऐसा आदेश पारित किया, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, और ऐसे आदेश की तारीख	
6.	जहां अपील किसी निर्धारण या शास्ति से संबंधित है वहां मांग की सुसंगत सूचना की तामील की तारीख	
7.	किसी अन्य मामले में, ऐसे आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, संसूचना की तामील की तारीख	
8.	वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन अपील की गई है	

9.	जहां अपीलार्थी द्वारा ऐसे वित्तीय वर्ष के लिए, जिसके संबंध में अपील की गई है, विवरणी फाईल की गई है, वहां क्या ऐसे कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों के, जिनके संबंध में विवरणी दी गई है, मूल्य पर शोध करों का पूर्ण रूप से संदाय कर दिया गया है (यदि उत्तर हां में है तो संदाय की तारीख और संदत्त राशि के ब्यौरे दें)	
10.	अपील में दावा किया गया अनुतोष	
11.	<p>** जहां अपीलार्थी की दशा में किसी अन्य वित्तीय वर्ष के संबंध में कोई अपील किसी आयुक्त (अपील) के पास लंबित है, वहां निम्नलिखित के संबंध में ब्यौरे दें —</p> <p>(क) वह आयुक्त (अपील), जिसके पास अपील लंबित है</p> <p>(ख) वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है</p> <p>(ग) उस आदेश को पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी, जिसके विरुद्ध अपील की गई है</p> <p>(घ) वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने ऐसा आदेश पारित किया, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, और ऐसे आदेश की तारीख</p>	
12.	ऐसा पता जिसपर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	

हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

तथ्यों का कथन
अपील का आधार

हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

सत्यापन का प्ररूप

मैं,..... अपीलार्थी, यह घोषणा करता हूं कि ऊपर किए गए कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है।

स्थान.....

हस्ताक्षर

तारीख.....

अपीलार्थी की प्रास्थिति

टिप्पण :

1. अपील का प्ररूप, अपील के आधार और उससे संलग्न सत्यापन का प्ररूप किसी व्यक्ति द्वारा प्रतिभूति संव्यवहार नियम, 2004 के नियम 8 के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षरित किए जाएंगे।
2. अपील का ज्ञापन, तथ्यों का कथन और अपील के आधार दो प्रतियों में होने चाहिए और इनके साथ ऐसे आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, एक प्रति तथा मांग की सूचना, यदि कोई हो, की मूल प्रति संलग्न की जानी चाहिए।
3. अनुपयुक्त शब्दों को काट दें।
4. * ये दिशिष्टियां आयुक्त (अपील) के कार्यालय में भरी जाएंगी।

5. यदि इसमें दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।
6. ** यदि एक से अधिक वित्तीय वर्षों के संबंध में अपीलें लंबित हैं तो प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में पृथक विशिष्टियां दी जाएं।
7. अपील के ज्ञापन के साथ एक हजार रुपये की फीस लगी होगी।
8. यह फीस निर्धारण अधिकारी से चालान प्राप्त किए जाने के पश्चात् किसी प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा की जानी चाहिए।

प्ररूप सं. 5

एसटीटीएस-5

[प्रतिभूति संव्यवहार कर नियम, 2004 का नियम 13 देखें]

अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप

आय कर अपील अधिकरण..... के समक्ष

*वर्ष 20-20..... का अपील संख्यांक

अपीलार्थी	बनाम	प्रत्यर्थी
1. वह राज्य जिसमें निर्धारण किया गया था		
2. वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की वह धारा जिसके अधीन ऐसा आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित किया गया था		
3. उस आदेश को पारित करने वाला आयुक्त(अपील), जिसके विरुद्ध अपील की गई है		
4. वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है		
5. निर्धारिणी द्वारा मद 4 में निर्दिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए संगणित कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों का घोषित किया गया कुल मूल्य		
6. निर्धारण अधिकारी द्वारा मद 4 में निर्दिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए यथा संगणित कराधेय प्रतिभूति संव्यवहारों का कुल मूल्य		
7. मूल आदेश को पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी		
8. वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की वह धारा और जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने आदेश पारित किया		
9. उस आदेश की संसूचना की तारीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है		
10. ऐसा पता जिसपर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी		
11. ऐसा पता जिसपर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी		
12. अपील में दावा किया गया अनुतोष		

अपील का आधार

1.

2.

3.

4.

आदि

हस्ताक्षर
(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हो)

हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

सत्यापन का प्ररूप

मैंअपीलार्थी, यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर किए गए कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. अपील का ज्ञापन तीन प्रतियों में होना चाहिए और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, दो प्रतियाँ (जिनमें से कम से कम एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए), निर्धारण अधिकारी के सुसंगत आदेश की दो प्रतियाँ, प्रथम अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील के आधारों की दो प्रतियाँ, उक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष फाइल किये गये तथ्यों के कथन की, यदि कोई हो, दो प्रतियाँ लगी होनी चाहिए।
2. वित्त (संख्यांक 2) अधिनियम, 2004 के अध्याय 7 की धारा 111 के अधीन किसी निर्धारिती द्वारा किए जाने वाले अपील के ज्ञापन के साथ एक हजार रुपये की फीस लगी होनी चाहिए।
यह सुझाव दिया जाता है कि यह फीस चालान प्राप्त किए जाने के पश्चात् किसी प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा की जानी चाहिए और चालान की तीन प्रतियों को अपील के ज्ञापन के साथ अपील अधिकरण को भेजा जाना चाहिए। अपील अधिकरण चौकों, ड्राफ्टों, हुंडियों या अन्य परक्राम्य लिखतों को स्वीकार नहीं करेगा।
3. अपील का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या यदि अपील किसी ऐसे राज्य में अवस्थित किसी न्यायपीठ में फाइल की जाती है, जिसे अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए तत्समय अधिसूचित किया गया है, तब अपीलार्थी के विकल्प पर हिंदी में लिखी जानी चाहिए तथा उसमें बिना किसी तर्क या वर्णन के संक्षिप्त रूप से तथा सुभिन्न शीर्षों के अधीन अपील के आधारों का वर्णन किया जाना चाहिए और ऐसे आधारों को क्रमानुसार संख्यांकित किया जाना चाहिए।
4. *अपील का संख्यांक और वर्ष अपील अधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा।
5. ऐसे स्तम्भों को काट दें, जो लागू नहीं हों।
6. यदि इसमें दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा।

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2004

Securities Transaction Tax Rules, 2004

S.O. 1059(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 114 of the Finance (No.2) Act, 2004 (23 of 2004), the Central Government hereby makes the following rules for carrying out the provisions of Chapter VII of the said Act relating to securities transaction tax, namely:-

Short title and commencement.

1. (1) These rules may be called the Securities Transaction Tax Rules, 2004.
- (2) They shall come into force on the 1st day of October, 2004.

Definitions.

2. (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-
 - (a) "Act" means the Finance (No.2) Act, 2004 (23 of 2004);
 - (b) "authorised bank" means any bank as may be appointed by the Reserve Bank of India as its agent under the provisions of sub-section (1) of section 45 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
 - (c) "Form" means a Form set out in the Appendix to these rules.
- (2) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, or the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, or the Income-tax Act, 1961, shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts.

Value of taxable securities transaction .

3. For the purposes of clause (c) of section 99 of the Act, the value of a taxable securities transaction, being a purchase or sale of an equity share in a company or a unit of an equity oriented fund, entered into in a recognised stock exchange, shall be determined in the following manner, namely:-
 - (a) where the equity share or unit is purchased or sold by a person on a trading day in the netted settlement mode,-

- (i) the quantity of shares or units purchased or sold in each trade in that equity share or unit executed by the person on that day, shall be multiplied by the price at which the trade is executed, to determine the trade value of each such trade;
- (ii) the aggregate trade value of all trades in the equity share or unit by the person on that day shall be arrived at by totalling the trade values determined under sub-clause (i);
- (iii) the aggregate trade value arrived at under sub-clause (ii), shall be divided by the total quantity of the equity share or unit traded by the person on that day, to determine the volume weighted average price of that equity share or unit for that person for that day;
- (iv) such volume weighted average price (rounded off to the nearest paisa) shall be taken to be the value of the taxable securities transaction relating to the equity share or unit.

Explanation.- For the purposes of this clause, the determination of the value of taxable securities transaction in a case where the equity share or unit is purchased or sold through a member of the stock exchange, shall be made with reference to the trades executed in the equity share or unit under a particular client Code through that member;

- (b) where the equity share or unit is purchased or sold by a person in the trade-for-trade settlement mode, the value of the taxable securities transaction shall be the price at which the equity share or unit is purchased or sold;
- (c) where the equity share or unit is purchased in the auction settlement mode, the value of the taxable securities transaction shall be the volume weighted average price of the equity share or unit, determined in the manner specified in clause (a), in respect of all trades in that equity share or unit carried out in the auction session;
- (d) where the equity share or unit is sold in the auction settlement mode, the value of the taxable securities transaction shall be the price at which the equity share or unit is sold.

Explanation.- For the purposes of this rule –

- (i) "netted settlement mode" means a mode of settlement of transactions in a recognised stock exchange where the quantity of an equity share or unit purchased by a person on a trading day is set off against the quantity of that equity share or unit sold by him on that day and actual delivery is required to be taken or given by him as the case may be, only in respect of the net quantity purchased or sold as has not been so set off;

- (ii) "trade-for-trade settlement mode" means a mode of settlement of transactions in a recognised stock exchange where each trade is compulsorily required to be settled by actual delivery;
- (iii) "auction settlement mode" means a mode of settlement, in a stock exchange, of transactions carried out in the auction session, being a trading session in which the stock exchange makes purchases of equity shares or units through an auction process initiated by it, so as to settle transactions where there has been a failure to deliver such equity shares or units which were required to be delivered.

Rounding off value of taxable securities transaction, securities transaction tax, etc.

4. The value of taxable securities transaction and the amount of securities transaction tax, interest and penalty payable, and the amount of refund due, under the provisions of Chapter VII of the Act shall be rounded off to the nearest rupee and, for this purpose, where such amount contains a part of a rupee consisting of paise then, if such part is fifty paise or more, it shall be increased to one rupee and if such part is less than fifty paise it shall be ignored.

Person responsible for collection and payment of securities transaction tax in case of a Mutual Fund.

5. In the case of a Mutual Fund, the person responsible for collection and payment of securities transaction tax in accordance with sub-sections (2), (3) and (4) of section 100 of the Act, shall be the trustee of the Fund, or such other person managing the affairs of the Mutual Fund as may be duly authorised by the trustee in this behalf.

Payment of Securities Transaction Tax.

6. Every recognised stock exchange, or, as the case may be, the trustee of every Mutual Fund or such other person managing the affairs of the mutual fund as may be duly authorised by the trustee in this behalf, who is required to collect and pay securities transaction tax under section 100, shall pay the amount of such tax to the credit of the Central Government by remitting it into any branch of the Reserve Bank of India or of the State Bank of India or of any authorised bank accompanied by a securities transaction tax challan.

Return of taxable securities transactions.

7. (1) The return of taxable securities transactions required to be furnished under sub-section (1) of section 101 of the Act shall, -

- (a) in the case of a recognised stock exchange, be in Form No. 1 and be verified in the manner indicated therein;
- (b) in the case of a Mutual Fund, be in Form No. 2 and be verified in the manner indicated therein.

- (2) The particulars required to be furnished in the schedules to Form No. 1 and Form No. 2 referred to in sub-rule (1) shall be furnished on a computer media, in accordance with the following, -

(a) the computer media conforms to the following specifications:-

- i) CD ROM of 650 MB capacity or higher capacity; or
- ii) 4mm 2GB/ 4GB (90M/ 120M) DAT Cartridge, or
- iii) Digital Video Disc;

(b) if the data relating to the schedules is copied using data compression or backup software utility, the corresponding software utility or procedure for its decompression or restoration shall also be furnished;

(c) the return shall be accompanied by a certificate regarding clean and virus free data.

- (3) In the case of a Mutual Fund, the return referred to in sub-rule (1) shall be furnished by the trustee of the Fund, or such other person managing the affairs of the Mutual Fund as may be duly authorised by the trustee in this behalf.

- (4) The return of taxable securities transaction entered into during a financial year shall be furnished on or before the 30th June immediately following that financial year.

Return by whom to be signed.

8. The return under sub-section (1) of section 101 of the Act shall be signed and verified -

(a) in the case of a recognised stock exchange -

- (i) being a company, by the managing director or a director thereof;
- (ii) in any other case, by the principal officer thereof.

(b) in the case of a Mutual Fund, by the trustee or such other person managing the affairs of the Mutual Fund as may be duly authorised by the trustee in this behalf.

Time limit to be specified in the notice calling for return of taxable securities transaction.

9. Where an assessee fails to furnish the return under sub-section (1) of section 101 of the Act within the time specified in sub-rule (4) of rule 7, the Assessing Officer may issue a notice to such person requiring him to furnish, within thirty days from the date of service of the notice, a return in the Form prescribed in rule 7 as applicable to him and verified in the manner indicated therein.

Notice of demand.

10. Where any tax, interest or penalty is payable in consequence of any order passed under the provisions of Chapter VII of the Act, the Assessing Officer shall serve upon the assessee a notice of demand in Form No. 3 specifying the sum so payable.

Prescribed time for refund of tax to the person from whom such amount was collected.

11. Every assessee, in case any amount is refunded to it on assessment under sub-section (2) of section 102 of the Act, shall, within thirty days from the date of receipt of such amount, refund the same to the concerned person from whom it was collected.

Form of appeal to Commissioner of Income-tax (Appeals).

12. (1) An appeal under sub-section (1) of section 110 to the Commissioner (Appeals) shall be made in Form No. 4.

(2) The form of appeal prescribed by sub-rule (1), the grounds of appeal and the form of verification appended thereto relating to an assessee shall be signed and verified by the person who is authorised to sign the return of taxable securities transactions under rule 8, as applicable to the assessee.

Form of appeal to Appellate Tribunal.

13. An appeal under sub-section (1) or sub-section (2) of section 111 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. 5, and where the appeal is made by the assessee, the form of appeal, the grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by the person specified in rule 8.

[Notification No. 248/2004/F. No. 142/23/2004 -TPL]

SHARAT CHANDRA, Director

		(Schedule)	
8.	TOTAL SECURITIES TRANSACTION TAX COLLECTED (C(5))		
9.	TOTAL SECURITIES TRANSACTION TAX PAID (C(6))		
10.	SECURITIES TRANSACTION TAX PAYABLE/ REFUNDABLE (7-9)		
11.	INTEREST PAYABLE UNDER SECTION 104 (C(7))		
12.	INTEREST PAID (C(8))		

VERIFICATION

I, _____ (full name in block letters), son/ daughter of _____ solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and schedules accompanying it is correct and complete and that the total value of taxable securities transactions and other particulars shown therein are truly stated and are in accordance with provisions of Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004 and Securities Transaction Tax Rules, 2004.

I further declare that I am making this return in my capacity as _____ and I am also competent to make this return and verify it.

Date _____

Place _____

(Name and Signature)

***CODES IN RESPECT OF TAXABLE SECURITIES TRANSACTION**

S.NO	NATURE OF TRANSACTION	CODE
1.	Purchase of an equity share in a company or a unit of an equity oriented fund, where – (a) the transaction of such purchase is entered into in a recognised stock exchange; and (b) the contract for the purchase of such share or unit is settled by the actual delivery or transfer of such share or unit.	01
2.	Sale of an equity share in a company or a unit of an equity oriented fund, where – (a) the transaction of such sale is entered into in a recognised stock exchange; and (b) the contract for the sale of such share or unit is settled by the actual delivery or transfer of such share or unit.	02
3.	Sale of an equity share in a company or a unit of an equity oriented fund, where – (a) the transaction of such sale is entered into in a recognised stock exchange; and (b) the contract for the sale of such share or unit is settled otherwise than by the actual delivery or transfer of such share or unit.	03
4.	Sale of a derivative being "option in securities", where the transaction of such sale is entered into in a recognised stock exchange.	04
5.	Sale of a derivative being "futures", where the transaction of such sale is entered into in a recognised stock exchange.	05

FORM NO. 2

[See rule 7 of Securities Transaction Tax Rules, 2004]
RETURN OF TAXABLE SECURITIES TRANSACTIONS

STTS - 2

For Mutual Funds

- Please follow instructions.
- Use block letters only.

1. NAME OF THE MUTUAL FUND		ACKNOWLEDGEMENT. For Office use only Receipt No. _____ Date _____ Seal and Signature of Receiving Official	
2. DATE OF REGISTRATION OF TRUST DEED FOR THE MUTUAL FUND UNDER THE INDIAN REGISTRATION ACT, 1908			
3. NAMES AND ADDRESSES OF TRUSTEES - SCHEDULE - A			
4. NAME AND ADDRESS OF ASSET MANAGEMENT COMPANY FOR THE FUND			
5. PERMANENT ACCOUNT NUMBER (PAN) OF ASSET MANAGEMENT COMPANY FOR THE FUND			
6. FINANCIAL YEAR (TRANSACTIONS RELATING TO WHICH ARE REPORTED)			
7. WARD/ CIRCLE/ RANGE			
8. NUMBER OF EQUITY ORIENTED FUNDS			
9. VALUE OF TAXABLE SECURITIES TRANSACTIONS	(Schedule) (B[7])	(IN RS.)	
10. TOTAL SECURITIES TRANSACTION TAX COLLECTIBLE	(B[8])		
11. TOTAL SECURITIES TRANSACTION TAX COLLECTED	(C[6])		
12. TOTAL SECURITIES TRANSACTION TAX PAID	(C[7])		
13. SECURITIES TRANSACTION TAX PAYABLE/REFUNDABLE	(10-12)		
14. INTEREST PAYABLE UNDER SECTION 104	(C[8])		
15. INTEREST PAID	(C[9])		

VERIFICATION-

I, _____ (full name in block letters), son/ daughter of _____ solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and schedules accompanying it is correct and complete and that the total value of taxable securities transactions and other particulars shown therein are truly stated and are in accordance with provisions of Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004 and Securities Transaction Tax Rules, 2004.

I further declare that I am making this return in my capacity as _____ and I am also competent to make this return and verify it.

Date _____

Place _____

(Name and Signature)

FORM NO. 3

[See rule 10 of Securities Transaction Tax Rules, 2004]

Notice of demand

STTS - 3

To

.....

Status.....
 PAN.....

1 This is to give you notice that for the financial year a sum of Rs, details of which are given on the reverse, has been determined to be payable by you.

2 The amount should be paid to the Manager, authorised bank or State Bank of India or Reserve Bank of India at within 30 days of the service of this notice. The previous approval of the Additional/ Joint Commissioner of Income-tax has been obtained for allowing a period of less than 30 days for the payment of the above sum. A challan is enclosed for the purpose of payment.

3 If you do not pay the amount within the period specified above, you shall be liable to pay simple interest at one per cent for every month or part of a month from the date commencing after the end of the period aforesaid in accordance with section 220(2) of the Income-tax Act read with section 109 of the Finance (No.2) Act, 2004.

4 If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, penalty (which may be as much as the amount of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with section 221 of the Income-tax Act read with section 109 of the Finance (No.2) Act, 2004.

5 If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with sections 222, 227, 229 and 232 of the Income-tax Act, 1961 read with section 109 of the Finance (No.2) Act, 2004.

6 If you intend to appeal against the assessment or penalty, you may present an appeal under section 110 of Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004, to the Commissioner of Income-tax (Appeals) within thirty days of the receipt of this notice, in Form No. 4 as prescribed in rule 12, duly stamped and verified as laid down in that form.

7 The amount has become due as a result of the order of the Commissioner of Income-tax (Appeals) under section 110 of the Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004. If you intend to appeal against the aforesaid order, you may present an appeal under section 111 of Chapter VII of the said Act to the Income-tax Appellate Tribunal within sixty days of the receipt of that order, in Form No. 5, as prescribed in rule 13, duly stamped and verified as laid down in that form.

Place

Date.....

.....
Assessing Officer.....
Address

Notes:

1. Delete inappropriate paragraphs and words.
2. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque should be drawn in favour of the Manager, authorised bank or State Bank of India or Reserve Bank of India.
3. If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by instalments, the application for such extension or as the case may be, permission to pay by instalments, should be made to the Assessing Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not entertained in view of the specific provisions of section 220(3) of the Income-tax Act.

FORM NO. 4

[See rule 12 of Securities Transaction Tax Rules, 2004]

Appeal to the Commissioner of Income-tax (Appeals)

Designation of the Commissioner (Appeals)

STTS - 4

*No. of 20..... 20.....

1. Name and address of the appellant
2. Permanent Account Number
3. Financial year in connection with which the appeal is preferred
4. Assessing Officer passing the order appealed against
5. Section and sub-section of the Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
6. Where the appeal relates to any assessment or penalty, the date of service of the relevant notice of demand
7. In any other case, the date of service of the intimation of the order appealed against
8. Section and sub-section of the Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004, under which the appeal is preferred
9. Where a return has been filed by the appellant for the financial year in connection with which the appeal is preferred, whether tax due on the value of taxable securities transaction returned has been paid in full (if the answer is in the affirmative, give details of date of payment and amount paid)
10. Relief claimed in appeal
11. **Where an appeal in relation to any other financial year is pending in the case of the appellant with any Commissioner (Appeals), give the details as to the -
 - (a) Commissioner (Appeals), with whom the appeal is pending;
 - (b) financial year in connection with which the appeal has been preferred;
 - (c) Assessing Officer passing the order appealed against;
 - (d) section and sub-section of the Chapter VII of the Finance (No.2) Act, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
12. Address to which notices may be sent to the appellant

.....
Signed
(Appellant)

STATEMENT OF FACTS
GROUNDS OF APPEAL

.....
Signed
(Appellant)

Form of Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Place

Date

Signature

Status of appellant

Notes:

1. The form of appeal, grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by a person in accordance with the provisions of rule 8 of Securities Transaction Rules, 2004.
2. The memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal must be in duplicate and should be accompanied by a copy of the order appealed against and the notice of demand in original, if any.
3. Delete the inappropriate words.
4. *These particulars will be filled in in the office of the Commissioner (Appeals).
5. If the space provided herein is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.
6. **If appeals are pending in relation to more than one financial year, separate particulars in respect of each financial year may be given.
7. The memorandum of appeal shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.
8. The fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan from the Assessing Officer.

FORM NO. 5

[See rule 13 of Securities Transaction Tax Rules, 2004]

Form of appeal to the Appellate Tribunal

STTS - 5

In the Income-tax Appellate Tribunal

*Appeal No. of 20..... 20.....

APPELLANT

Versus

RESPONDENT

- | | |
|-----|--|
| 1. | The State in which the assessment was made |
| 2. | Section of the Chapter VII of the Finance (No.2) Act, 2004 under which the order appealed against was passed |
| 3. | The Commissioner (Appeals) passing the order appealed against |
| 4. | Financial year in connection with which the appeal is preferred |
| 5. | Total value of taxable securities transactions declared by the assessee for the financial year referred to in item 4 |
| 6. | Total value of taxable securities transactions as computed by the Assessing Officer for the financial year referred to in item 4 |
| 7. | The Assessing Officer passing the original order |
| 8. | Section of the Chapter VII of Finance (No.2) Act, 2004 under which the Assessing Officer passed the order |
| 9. | Date of communication of the order appealed against |
| 10. | Address to which notices may be sent to the appellant |
| 11. | Address to which notices may be sent to the respondent |
| 12. | Relief claimed in appeal |

GROUNDS OF APPEAL

- | | | | | |
|----|----|----|----|------|
| 1. | 2. | 3. | 4. | etc. |
|----|----|----|----|------|

.....
Signed
(Authorised representative, if any)

.....
Signed
(Appellant)

Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Place

Date

Signed

Notes:

- The memorandum of appeal must be in triplicate and should be accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the relevant order of the Assessing Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority, two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority.
- The memorandum of appeal by an assessee under section 111(1) of the Chapter VII of Finance (No 2) Act, 2004 must be accompanied by a fee of one thousand rupees.
It is suggested that the fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan and the triplicate challan sent to the Appellate Tribunal with a memorandum of appeal. The Appellate Tribunal will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
- The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
- *The number and year of appeal will be filed in the office of the Appellate Tribunal
- Delete the inapplicable columns.
- If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.